AI Image

यूपी सरकार का प्रतिनिधिमंडल जाएगा जापान

ग्रीन हाइड्रोजन से 'दौड़ेगा' औद्योगिक विकास का इंजन

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के साथ-साथ राज्य सरकार इंडस्ट्री से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देगी। राज्य सरकार की इस मुहिम में जापान की कंपनियां मदद करेंगी। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी की अगुआई में यूपी सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल 22 से 26 जुलाई तक जापान जाएगा। जहां ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को देखेगा। इसके अलावा जापानी कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित भी करेगा। दिसंबर, 2024 में जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। इस दौरान ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में निवेश के लिए एमओयू भी साइन किया गया था।

> 17 से अधिक कंपनियों ने ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में निवेश के लिए दिखाई है रुचि

1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा

प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 17 कंपनियों ने राज्य सरकार को प्रस्ताव दिया है। इससे करीब 1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग आयरन ऐंड स्टील, फर्टिलाइजर, रिफाइनरी, एनर्जी जैसे सेक्टर में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक शुरूआत में राज्य में नाइट्रोजन उर्वरकों और रिफाइनरी उद्योगों में ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग किया जाएगा। साथ ही राज्य सरकार ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को कम करने पर भी काम कर रही है। राज्य सरकार ने 2029 तक हर साल 1 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

20,000 रोजगार के अवसर होंगे सृजित

ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में होने वाले निवेश से 20,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया होंगे। इसमें विशेषकर इंजिनियरिंग सेक्टर के युवाओं को मौका मिलेगा। ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर के विस्तार को देखते हुए राज्य सरकार इस सेक्टर की पॉलिसी में कई बदलाव करने की तैयारी कर रही है।

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की तकनीक है। इसके इस्तेमाल से प्रदूषण कम करने के साथ-साथ ऊर्जा का भंडारण भी किया जा सकता है। राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल जापान के यामानासी प्रांत में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का निरीक्षण करेगा। साथ ही इस सेक्टर में निवेश के लिए विभिन्न निवेशकों से भी चर्चा होगी।

-अवनीश कुमार अवस्थी, मुख्यमंत्री के सलाहकार

ये कंपनियां करेंगी निवेश

ग्रीन हाइड्रोजन निर्माण में देश की कंपनियों के साथ-साथ कई विदेशी कंपनियां यूपी में निवेश की योजना बना रही हैं। यूनाइटेड किंगडम की ट्राफलगर स्क्वायर कैपिटल लखनऊ के पास 10,000 टन प्रति वर्ष ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए प्लांट लगाएगी। इसके अलावा वेलस्पन ग्रुप, बुलंदशहर में ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया संयंत्र लगाएगा। इसके लिए कंपनी 40,000 करोड़ का निवेश करेगी। हाइजेनको ग्रीन एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड प्रयागराज में ₹16,000 करोड़ के निवेश से 0.2 मिलियन टन की ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट लगाएगा।